

ZÚME सत्र 2 का वीडियो स्क्रिप्ट्स

प्रार्थना चक्र

यीशु अकसर अपने अनुयायियों को प्रार्थना के उद्देश्य, अभ्यास और वचनों के बारे में सिखाते हैं।

यीशु ने कहा- “मांगों, तो तुम्हें दिया जायेगा, ढूँढो, तो तुम पाओगे, खटखटाओ, तो तुम्हारे लिये द्वार खोला जायेगा। क्योंकि जो कोई मांगता है, उसे मिलता है, और जो ढूँढता है, वह पता है और जो खटखटाता है, उसके लिये द्वार खोला जायेगा।”

यीशु ने अपने अनुयायियों को सिखाया कि प्रार्थना समाज की स्तुति नहीं है, ना एक स्वार्थपूर्ण अभिलाषा या कोई भाषण जिसे हम बारबार दोहराते हैं।

यीशु ने हमें बताया प्रार्थना में शक्ति होती है क्योंकि ये स्वर्गीय पिता के साथ हमारी एक सीधी और निरंतर होने वाली बातचीत है, जो हमें प्रेम करते हैं।

किसी भी अच्छी बातचीत की तरह, एक अच्छी प्रार्थना का अर्थ है दोनों पक्षों को सुनने और बोलने का अवसर मिले।

पर परमेश्वर से बात करना, जिसने ब्रह्माण्ड का निर्माण किया, भयावह लग सकता है। और वास्तव में वापसी में कुछ सुनना - कई व्यक्तियों की भलाई के लिये, वो पूरी तरह भयावह हो सकता है।

अच्छा समाचार ये है कि प्रार्थना में बेहतर करना - बेहतर होना और परमेश्वर के साथ गहन बातचीत करना, जो हमें प्रेम करते हैं - ये केवल संभव ही नहीं - अपितु यही तो परमेश्वर चाहते हैं।

परन्तु जब प्रार्थना एक नई भाषा की तरह लगने लगे -तो आप बेहतर कैसे करते हैं?

इसका जवाब आसान है- आपका अभ्यास।

प्रार्थनाचक्र एक सरल तरीका है प्रार्थना के अभ्यास के लिये जिसे आप स्वयं इस्तेमाल कर सकते हैं और किसी भी अनुयायी के साथ बांट सकते हैं।

केवल 12 आसान चरणों में - प्रत्येक के लिये 5 मिनट -प्रार्थनाचक्र 12 तरीकों से आपका मार्गदर्शन करता है जो बाईबिल हमें प्रार्थना करना सिखाती है।

अंततः, आपको एक घंटा प्रार्थना करनी होगी। बाईबिल में लिखा है--“निरन्तर प्रार्थना में लगे रहो”

हममें से कई व्यक्ति ऐसा नहीं कह सकते कि हम करते हैं। परन्तु प्रार्थना के एक घंटे बाद - आप एक चरण आगे बढ़ाये जाओगे।

प्रार्थना चक्र-ववउ ज्ववसापज का एक और आसान साधन है।